सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५ -२६

कक्षा:- तीसरी **विषय:हिंदी** **पाठ:१(हम नन्हें -नन्हें बच्चे) (कविता)**

शब्दार्थ

१ नादान - नासमझ

२ धुन - लगन

३ जननी - माँ

४ प्रण - संकल्प

५ नाता - रिश्ता

६ हिमगिरि - हिमालय

७ ध्वजा - तिरंगा

८ पथ - रास्ता

प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रश्न १. नन्हें-नन्हें बच्चे अपनी धुन के कैसे हैं ?

उत्तर - नन्हें-नन्हें बच्चे अपनी धुन के सच्चे हैं ।

प्रश्न २. हिमगिरि पर बच्चे क्यों चढ़ेंगे ?

उत्तर - हिम्मत से नाता जोड़ने के लिए बच्चे हिमगिरि पर चढ़ेंगे ।

प्रश्न ३. कौन भयभीत नहीं होगा ?

उत्तर - नादान बच्चा भयभीत नहीं होगा ।

प्रश्न ४. प्रस्तुत कविता द्वारा क्या संदेश दिया गया है ?

उत्तर - प्रस्तुत कविता में बच्चों को देशप्रेम और राष्ट्रीयता की भावना का संदेश दिया गया है।

वाक्य प्रयोग

१. जननी - माँ

वाक्य - मेरी जननी ने मुझे हमेशा सच बोलने की शिक्षा दी ।

२. प्रण - संकल्प

वाक्य - नन्हें बच्चों ने देश की रक्षा करने का प्रण लिया।

३. नादान - नासमझ

वाक्य - नादान बच्चे अक्सर गलत फैसले ले लेते हैं।

४. हिमगिरि - हिमालय

वाक्य - हिमगिरि का विशाल रूप और सुंदरता देखकर मन शांत हो जाता है।